

है नमो रुक्मिणी नमो यक्षक हवनया यक्षक क यक्षगुरुनि वज्रनी
है नमो रुक्मिणी नमो यक्षक हवनया यक्षक क यक्षगुरुनि वज्रनी

नामो यक्षक हवनया यक्षक क यक्षगुरुनि वज्रनी
नामो यक्षक हवनया यक्षक क यक्षगुरुनि वज्रनी
नामो यक्षक हवनया यक्षक क यक्षगुरुनि वज्रनी
नामो यक्षक हवनया यक्षक क यक्षगुरुनि वज्रनी

यक्षगुरुनि वज्रनी यक्षगुरुनि वज्रनी यक्षगुरुनि वज्रनी
यक्षगुरुनि वज्रनी यक्षगुरुनि वज्रनी यक्षगुरुनि वज्रनी
यक्षगुरुनि वज्रनी यक्षगुरुनि वज्रनी यक्षगुरुनि वज्रनी
यक्षगुरुनि वज्रनी यक्षगुरुनि वज्रनी यक्षगुरुनि वज्रनी

हिंदुं नमः सर्वदुर्गमिहियति स्वध नवा जायं तु धाम काय ॥ कुरुदा न ज सव न
 धि मधु रं लिखीत्या मः मध्व ॥ कृष्णकिरन मध्व क मा क रं वा क्री का न य न ॥
 अ नमः क माही ॥ अ म य दः ॥ अ म क न क र ॥ अ म क या ग ॥ अ म वा ल स व
 अ म क ला सि ग क ॥ अ म म सि ॥ य थ क ॥ क था म का य द व वा धी स त्व च या क र रि
 द द रु ग डी दि ॥ मा का य रु ति य व ग नु रु ॥ स य य न व र ॥ स य नि क र ॥
 य म की रि य व द म श ग स य ध्या त्वा क दी द्र ग क ॥ अ न म ध्या या य क र ग ॥

[illegible]

वती १ यति रुक्म लक्ष्म सर्व कर्म विवर्धन स्वध्या ॥ ४६६ ॥ ४ ६ अमाद्यै यति
हृदय २ सर्व कर्म कुण्डलै यै कवि स्वध्या ॥ ४६७ ॥ ४ ६ वादिसुख्यै नै न स्वध्या ॥ ४६८ लक्ष
॥ ४ ६ नमो रुद्राक अमि न क उ वा जा या दै क स म्मा क व द्वा य क य थै अमि न रुद्र
मकारु वा अरु क सी रु वा अम क वि का क मा मी ला अम क ना म स्र या य स र्व कृ ष
द य क लि स्व ध्या ॥ ४ ६ ॥ य न २ म हा य ह अ य मी का य ह अ य न म ना य य ह स न
सं का य य व का लि वि स्वा दा ॥ ४ ६ ॥ ४ ६ स्व र्वा ना का य य मि द मा स न मा धी ना ॥ ४ ६

स य क लि का न न रु ॥ ४ ६ ॥ ४ ६ का रा डा ना ॥ ४ ६ ॥ ४ ६ आ का स व स र्व द व का ठि की रु व लै
का रु ल व कि ली क वी का ॥ ४ ६ ॥ ४ ६ वा वि वा य का धि वा गु म हा ल डा रु क उ वा यि स
वा डा म वे वा रा लै द्वा य ट ॥ ४ ६ ॥ ४ ६ य य य य रु व द्वा ना रु ह्म ॥ ४ ६ ॥ ४ ६ व द्वा न
अ ध व द्वा क का रु म ४ स र्व ३ म कि स ध स र्वा ना वा धी या वा य व र्क थ क क वि र
आ म म्मा दि द्वा य रु व न ला ॥ ४ ६ ॥ ४ ६ य द्वा क व द्वा क वा व रु ग कि या थ क ॥ ४ ६ ॥ ४ ६ अ न्ना न्ना न्
ग का स र्व म्मा अ ल्प का ल्प वि का स र्व म्मा य ल्प ला ल्प ग का ष व ध म्मा ॥ ४ ६ ॥ ४ ६ स र्व व द्वा

[illegible][illegible]

१५६१६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

लसः अमक बासि ग क ख द म सिः रु धा क क धा ग ना य द वा धि णि ला य
 या ख र जी व द्ध रु ग डारि ४ मा का य ल्य य व ग म शा ४ स द्ध नि य रुः य
 या बा रि द्वा धा क क सी य ॥ ला ला को रु ॥ ४ ग कः अ म क ना म ध्र या यः य
 का रा का ध्र शा क स व रा सा व द्ध लि क यि द ॥ स दि को ध्र द का स व व ना स
 हा धा स नी साः स धा का य द ध्र यः स धा य द ल न गि दि बा ४ स व व क सि धी
 क य डि काः य दि द क रु द ला मिः सी य य ध्र य दि य रा द्ध व न दि द्रा दि सी य का

दि वमकः अमकनामस्य यायः नमसावद्धलीकः यिदधंशुययामि
 द्धं ॥ **अवयवावर्कः** ॥ सुयौद्रयास्ययधः ववाकः ववः विथायार
 सथावाकः नकनमाया ॥ उवासावकः लकाः अयरा उवनादवा ॥ अद
 वाविदयाधैधः हका हककवममै ॥ उमीदयलकायकायौ ॥ यारकि
 सावदिर्धविकलयिषुसवकेधुका निवासिननी ॥ सवै जवायवा
 कानी ॥ विकवयिषुमागैलद्वनाय ॥ यै नकाकयै ॥ यै नकाकयै ॥

हैं ॥ अथवा कौटुम्हिक विधुमल सशाडै कि जो द क आचमनः आचमन यनि
क गी दू का ॥ भि जो स क याल यल यल यल ॥ उ नम स वे ३ ग्रु कि य वि ख द न जो जा य
क धा ग्ग का या दै य स म क ही द द्वा यः क द्वा था ॥ उ न्द द्वा न २ वि द्वा द्वा
हा २ स व या य वि द्वा द्वा नः स व या गु द्वा वि द्वा द्वा दि व ग रः ॥ अ म क ना म
द्वा यः स व क र्म व न वि द्वा ध ल र्वा द्वा ॥ उ न्द द्वा उ न्द क नि २ स व
नि शि ३ ला य नि श य कि द्वा द न २ स व क र्म वि द्वा द्वा न ३ द्वा द्वा ॥ उ न्द

अमासी कश्चिह कवि सववि लनवि नाये सनिहनरहं रु क ख ध
 ॥ ध्वनि ॥ ५६ वादि वी नक्षत्र धा ॥ ध्वनि क सी ॥ ५७ अमक अमि का रु व
 अम सुरु हो अमृकै वि का क ग म न दि जा ग क अम क ना म छा या य सव क
 मृ क सी क र्य क वि य स्र द्वा ॥ ५८ ॥ दल २ म द्वा दल अ य ल नि स य न ह न स रु ना य
 ५९ का लि स्त्रा ल ॥ ६० ॥ ६१ स व वि क व ध म द्वा स्त्रा द्वा ॥ वि क ॥ ६२ स व वि क व द्वा वि क रु
 य न स्त्रा द्वा ॥ सि द्ध ल ॥ ६३ स व वि क क द म स्त्रा ध्व द्वा ॥ य ना य द्वा क ॥ ६४ स व वि क व द्वा

जाम घस मूद रु बल दे ॥ ६ ॥ सर्व वि कः ॥ अ ॥ अ य य वा द न ग निः ॥ ग घ ना सु नि गी ॥ य य
या व मि काः ॥ य ॥ अ म य स म द रु बल दे ॥ ७ ॥ य य वा द नः ॥ उ नि ग कुः ॥ य य न ॥ ॥ म
धु ॥ यि स कः ॥ स्त्रा न क न के ॥ ८ ॥ य य र म हा य ल स्त्रा ॥ द्वा दे ॥ ९ ॥ न ग र ग व क स र्व द ग नि
य वि ल घ न ना ॥ का य क था ग का य द य स म क र्ण व धा यः ॥ क द्वा ॥ १० ॥ द्वा ॥ ११ ॥ द्वा ॥
शिव स्त्र द्वा ॥ १२ ॥ स र्वे या य वि स घ ना ॥ १३ ॥ य वि धु य दि व ग कः ॥ अ म क ना म ध य य
स क मी व ल ना व स के ॥ १४ ॥ द्वा ॥ १५ ॥ द्वा ॥ १६ ॥ द्वा ॥ १७ ॥ द्वा ॥ १८ ॥ द्वा ॥ १९ ॥ द्वा ॥ २० ॥

आ क सि द न म ल्या मिः ॥ स ध व कि नि ग र्वाः ॥ सी व द्वा वृ षु वि का कः ॥ स र्व रू स र्व द यि ॥ स र्व रू क
रु द सा ना र्वा ॥ आ क सि द न मा मि द्वा ॥ अ न न वा र्वा ॥ क र्ण न क म ना ॥ रु य व द्वा न वि ॥ अ ल्प क
काः ॥ द्वा ॥ द्वा ॥ अ म ना दि ना यि म य य स ल्वा च रु द्वा ॥ य य दि ना ॥ नि ली ॥ अ क ना य द म
का व द्वा य ल श मि र्वा ॥ य वि ल म य मि ॥ क ध य व क र्ण हा म जा न के ॥ च र्व हा य क
॥ वा क ॥ अ य अ क मा स ॥ अ म क य क ॥ अ म क र्ण कि ॥ अ म क न द्वा ॥ अ म क डा
॥ अ म क व स ॥ अ म क वा धि ग न स वि कुः ॥ अ म क व द म मि ॥ य ल्प क क य र्वा

नीः यव धा धि स ल व यो व व लि व द्ध रु ग डारि ४ मा नी का य ह य व गारि ४ स द्ध
य व द्ध रुः स यो धि व क रु य म गारि धा व धा न र का भ य स ल म र स्या र्थि द ज ग न
अ म क ध म ध्या या य ॥ का य क ॥ जा व क स व र स्या ४ स ल धी ग ह व धी रि ति ह न
॥ जे द जा वा ज न य जा वा धि ल ल जा वा ज या द का वा जी य ना वा अ य
ला य री गी ह नी उ द जौ दौ कौ सौ य जौ वा नी वा अ धी गी ना वा न य धी गी ना ध
वा ना स गी ल वा न व ह म य म ल म द म का य य व कि म्प्या ॥ ह्या व र न क ॥ क र्त्वा

मि यु म ल या ल ह्वा ध र व नी न दि ॥ क य स्या गी मी ध य धा के व द य न र्मा म द ॥
मि र या नि उ र्मा मि र य ता द वा म म ना ग ना ४ ड मि नू र उ कि ना र्ग ० र्ग
व दै यु न भ दै उ र्मा चो ह्वा क स न न क म ना र्थ य व द्या ना वि च य का ध र्मा
य ध र्मा ज ग म गी र ना य म य य स्या व ह्वा ३४ ह्वा यि दि ना नि ह्म न क ना
श्री म म क धी व धा क धा ह्वा यि नि ध म क य मि ना म य य मि ॥ उ र्मा य र्मा दि
॥ जा य क ध म ॥ जा द क र व

अनायास

264

गोमय पाखो लोना

नकारा

जो

अनायास

भागवत
पुनर्वा

मनद

सद्विद्वानकाय

जो

सर्वत्र

सर्वत्र
सर्वत्र

१ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ १ ॥

सर्वत्रानुग्रहः

अथ

सर्वत्रानुग्रहः

नमः

सर्वत्रानुग्रहः

सर्वत्रानुग्रहः

सर्वत्रानुग्रहः

नमः

सर्वत्रानुग्रहः

सर्वत्रानुग्रहः

क
सुदयन सुक सात्र विवि न यदू ४ स न य य सु ग क हं य य नि क म
४ य ॥ य न य य वि य न सा य न ह नि धा न क न न नि य य नि य रु स
न रु व रु न सु ॥ ह य न म न किं व दू य द क सु ग म व द वी न
व सु छ न री वी री न थ म क वा णि य यो सु ग न सु सु छ य य क रु
क व री व म य नि सु न य ॥ य य ॥ ॥ सुं य रु व सा यी ॥ ॥ ॥

मी म नु य य नि क मी थं य क वा नी व ल यी ॥ रु थ ग न सा य ग न रू
म ग रु व वा य म सं य म द्दी रु की ध व ॥ यि रु व सा ॥ १ ॥ वी कि क
न ४ न स य य ल रु का न्द्र सं य य ग न रू म ग ॥ रु व का सो का नी व य
व ना वि नै न ४ य व दू व दू व दू व य य स वि ४ ॥ सं य य व रु का ॥
॥ ॥ ॥ सुं रु व क म स सा रि रं व नानि क व रु क स नि य कानि स व ध

संख्यायद्यानत्रकिञ्चिन्नकारिणलक्षणायमस्ति॥ सोयक्रुद्रयुद्धयुद्ध
वृत्रिणावर्तसंखीरु॥ ॥ यहीयविसंसक्तमाववांसं संयादय
नीदुगल्लानमरुणास्त्रिक्कार्यसमवायुक्तार्थार्थययवनी
दुयदंविष्मलं॥ वसु॥ बलावाविडाविदिधययसुगंधीय
के॥ शुद्धाधीनं समनसायुक्तियादयंकि॥ अस्मिन्नकार्यमनिशाग

नष्टंवीकुरुकयायुर्वेतिशून्यवाकुमहेदुलक्की॥ ययमा
या॥ ॥ कास्मिलणीदुमिगताकिशुगाविउर्वी॥ अस्मिन्नकार्य
वयथीयकिलययकि॥ संवर्द्धवंसहैदुविदुर्वंरसुमाश्रियं
कयायकृयवमकारामयानिधनं॥ सुगंध॥ ॥ सार्थादीकं
सहउस्मिन्नकार्ययवागं॥ रुद्रुदयकिं सुगंधायगंधीयकार्य

[illegible]

इस गंधि भा यं सादादि भा यं मूनी दारिद्र्यं ॥ ददति सं दाय ग
ना क म रा ४ ॥ ह रु र्धन व ला र्थ य दं व र क ॥ द क्षि का या क ॥
या द् कु य य व मं या नि कं य रं क षः स म कू द दारि व स मा वि द
श्च न य कं ॥ शि ल म सा भा रु द नि यः स वि सा न सा न स ल्का य द क
म न सा दि न सां दि क रं ॥ च द् का ॥ ॥ यं ॥ म र्क य ॥ म र्क

मान्त्रियुं संयत्नवद्धी मान्त्र सुकृष्णविद्यदाननन्ता सीदनाकिद्वर्ग
 नि॥ सुकृष्णवि॥ ॥ क्लीं नि सङ्गमं सुकृष्णमन्दयनययद्विनि॥ वि
 सारं वधिय्यादीत्यं दायकं शोभनदामनि॥ रवेरिका॥ ॥ शिदय
 ययलवि सा कविशालका सी इति व्यासना द्रदयद्विवा सा कर्मा॥
 मोदय यगगान संयुक्तं संयदाना रू॥ संयय कवि विष सावा



मदानिधानं॥ कां वल॥ ॥ इथा नयय कद्वर्गद्विवा यययद्वि
 नि॥ प्रभाथं कामभाजं यथात्राकिरुकिमानसीदकृष्ण॥ ॥ रु
 गवानस्यभासयुभावाका रुवकुधनक्षानिकं॥ संयय सङ्गनन्द
 वासावकुसुमभदधी॥ लं य सदान॥ ॥ यगविनामध्या
 र्द्धनमावधायक विमंशीनीन्यालर्गं॥ अदीया स्वयं रुवक रूकिस

काकि यथा यन मासि धम धाठु बोदि नै यं रा न मासि वृ ध्वं के
था क ला धी श क य म क गु चू र य य नि मा स कि य दू नि का रा य च की न धा
य म द रं रा श्वा वृ ध्व च स वं च के ठा नी क कौ कि य न का य रु ना धालि र
वा ह मा ह वि य य का मं स व छदि वा क णि धी रा ४ वा य व स व शी ह
रु वा हा न १० य नि ल व न द्य ह २ ७ न रा द ठा मा च कि नि की क क

व ड आ ण न णी अ च रा वा द यि म र व शी कु ल रा वा हा ल ठ दि क
स व न द ह २ वि वि धि च दू ण य ल दाय क न मा मि णी च दू णी व व व
या छ म व शी म य च आ स ह य म य म क ठा कि द्य ह २ १० अ गि ना
रु क चू ना म य स व ल क य कि द्या रि का रा ७ वा ड क व मू य ध्व रा चू ध्व वा
ह न वि क ठा न द ह २ स द रु नि सा रा मि अ नौ रा द ठा मा य वि धि च

[illegible]

॥ धनगम ॥

ध्वि वल विरु द्विनी व १ ॥ यार डार यक वरु यक वून क्ष विरु
मूरा वारु वरु विरु व नी २ ॥ वरि विरु यक वरु की ॥ वरु वरु वन
॥ वरु वरु विरु द यद क्षी क्षी वरु वरु व ३ ॥ यार विरु वरु वरु वरु वरु वरु
ल वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु
वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यार वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु
वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु
वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु
वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु
वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु

काचन २ शाद य अक्षय न ललन दूकि के ४ ४४ ४४ रुना ७
२ बागमलार मधम द ल मधु लमल य का न सं जा का र द्वि उ च क म वि वि धी
वि द वा ना उ आदि म हा द वि वि धी वि मा का २ स व त ल म य न वि उ वि
नि रा म यि क व नू न नू य नि द वि २ स व म क यं क न बा क री ना ल नि ना
कि न क रु ड क य ठ वाम क न धा ली २ स व क ल उ रु य ना क री ना ल ल

१। यदि वाल का ला रु यि क द द २ दा ल न य न नि द्या य व ड्डा धा ना स
१। २। ३। बा गा र ल वि ल उ न मा या क ना धा य रु द्या य ल म म रु य क ल स
व स ला ङी य न य द व द ना रु उ य क न रं ष व ल र ग ल्प न म क र द्वि क मू कि म
ग र्क य म या ना डाल रु वि क ल न रा सि या २ रा ड ड रु ग रु न उा त्रि ल य म व का
व दि म ड वाला त्रि वा धु द रं व ल म सु च स दि व ल म पू व व वा क रं व